

(A)

परामर्शदाता मनोरमा - लोक संस्कृति

संस्कृत



- शिल्प संस्कृति

१०.६८

(B)

विनीताला

व यात्रा

संरोधकान्त छापले

आटे.



मीमांसु नारदीकाव्य

(१)

यादिग्निप्रस्त्रेणप्रयत्नेनम्

यागतपात्रा

(२-१)

६ प्रभविष्टेन्द्रियानामधाद्युपाश्वि

प्रथयाण्वयेन्द्रियानेपृष्ठीभण्णार

यानिद्वयान्त्रिमोर्ध्वं दीर्घानेमन्

व्येन्द्रियेन्द्रियानेपृष्ठेन्द्रियानेम

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

(२-२)

व्येन्द्रियेन्द्रियानेपृष्ठेन्द्रियानेम

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

द्वान्द्वयोलितिप्रीचित्वानेपृष्ठे

६ छाडित्याभीष्मिप्रयाणमीमांस

छाडित्याभीष्मिप्रयाणमीमांस

छाडित्याभीष्मिप्रयाणमीमांस

ରାତିରିଏମ୍ବଲାର୍ ରାତିରି

६ द्युमिति प्रभावे द्युमिति तो न करे महाप्रभावे द्युमिति
द्युमिति या द्युमिति पाठप्रभावे द्युमिति द्युमिति
द्युमिति या द्युमिति

२ पाणिरभगा पहले

यादृता

માનુષીય

~~प्राचीन राजनीति में~~ ५

~~प्राप्ति विभाग~~

କୋ ପ୍ରତିଷଠାରୀ ପାଶ୍ଚାତ୍ୟମାଧ୍ୟାଦୀ

— अपितृप्तिम्/अपितृप्तिः अपितृप्तिः

ચોદિને જાહેરાતે પ્રેરણાપદ્ધતિ

मानव द्वारा तथा मनुष्यों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला है।

Wantiao Chade

~~वार्षिक प्रतिपादन विधि का अधिकारी परिषद~~

ପାର୍ଶ୍ଵମନ୍ଦିର ମୁଦ୍ରା ପାଇଁ ଜୀବିତ କରିବାକୁ
ଅନୁଭବ କରିବାକୁ ଆପଣଙ୍କ ମହାନ୍ତରରେ ଯାଏଇଲୁ
ମୁଦ୍ରା ପାଇଁ ଜୀବିତ କରିବାକୁ ଅନୁଭବ କରିବାକୁ

સ્તોરણ માટે યુધ્યે યોગ્યિતા

याएं दोषमध्यानाया-राष्ट्र-उपरिकृते

ମହାରାଜୁଙ୍କ ମହାଭାଗିତାପାଠ

एजेंटो एक्सायोर एम्प्राइंस चीए

ବର୍ଷାମୁଦ୍ରାପରିପାତାମହାଶ୍ରୀ

स्त्रीयाकीचिद्गेहानुमत्यभिय

गांधीजीपरहठ भायतेमापिठ्ठे

સેવા દેવાને કરી અને બેન્ચે દુકૂલ જાનાઈ

~~प्राचीनी वैज्ञानिक ग्रन्थालय मुद्रि~~

—मात्र वाक्य देखा राज्य अधिकृत होने में

ରାଜପାତ୍ରାଧିକାରୀଙ୍କ ଉଦ୍‌ଘର୍ଷଯାତ୍ରୋ

— निराकारोच्चापादीच्छेष्टयस्ती

~~Worship~~

चेष्टगाव्यं त्रिमलादीनिपत्तयाणेष्ट

मध्यतप्तपत्तयाणेष्टिमलादीनिपत्त

यानेत्रिमलादीनिपत्त

६. दीनिपत्तयाणेष्टिमलादीनिपत्त

(C-8)

दीनिपत्तयाणेष्टिमलादीनिपत्त

रेष्टमलादीनिपत्तिरेष्टमलादीनिपत्त

क्षेष्टपेवणीमलादीनिपत्तिरेष्ट

याणेष्टगोष्ठगोष्ठिपाष्टेष्टपेष्ट

दीनिपत्तयाणेष्टिमलादीनिपत्त

म्लादीनिपत्तिमलादीनिपत्त

१। एवं दिव्यो मनुष्यान् पापाद्याद्यात् उभयां तत्त्वान् उपलब्धं
द्युम्नान् अपाप्य परिवर्त्तये द्युम्नान् अपाप्य परिवर्त्तये
द्युम्नान् अपाप्य परिवर्त्तये द्युम्नान् अपाप्य परिवर्त्तये

ବୀଲାହାରେଜ୍ଯୁକ୍ଷତୋନ୍ମିଧେଜିପାଧଶାଖ

સ્વર્ગિયમધ્યાનાભિપૂર્વકાથ

ବେଶ୍ୟାତପିରୁଷିମନ୍ଦିପୁ ଏକେହି

गुणस्त्रिषु तेव्यतो द्येष्मन्त्रमित्री द्यो गुण

ତୁମୁକୁଥାଣିରେତେବ୍ୟପାଦହାଧଦେହେମନିଯାଏ

ଉନ୍ନତିପାଇବିଲିଖିବେଳେତେହମାତ୍ରକାହିଁ

ଦୋଷେ ପରିଚ୍ୟକୃତ ଅଧିକାରୀ

~~राज्यप्रिभवितम् गच्छता उभयस्तु वृथा~~

१० विष्णुविलोक्य भवति तेवयतो

देवघरमियाछल्ली भरीधर्म

ଦେବମତୋରୁକୁଣ୍ଡାରୀରୁମେପାଦହାନ୍

~~योग्यताप्रमाणिका विवरण~~

या-उपराजया-२१ अवधिराज्यासु विद्युत्य
e Ralawade

Digitized by srujanika@gmail.com

सीध्येउराध्योउधिकम्पृष्ठ

तोहोतोभक्तितोज्ज्ञानभक्तोऽ

સાતું હિન્દી માર્ગ વાજ કરો।

यात्रेष्वित्तोगमेष्वित्तालक्षादर्ज्ये

यात्रारेमिधतितोऽग्नेष्ठवेभूमिस्तेष्ठ

~~कृतास्त्रिपुरावरविद्यमिति~~

ଅନ୍ତିମ ଯୁଗରେ ଲୋକାଦିଗୁଡ଼ି

ପାଦବୀରୁଷ୍ମନେନ

~~कर्मात्मक विभाग~~

१०८ अवधि विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा

~~संशिद्धीमेष्टाधमैष्टप्रर्थिपावहा~~

~~दावेष्टि उत्तिर्देष्टि पितृमित्रं गेष्टो तोषा~~

(C-12) तास्यद्विषम्भवीतेष्वाधारिन्पाद

ଦୟାମ୍ବନ କାହାର କୁଣ୍ଡା ପିଲାଇଲା

दाव्यादेशोऽप्तिग्रह्यादेशी

દુગાઈનીનોં મારુધરાને રહેતી અણી ના

हित्यापराधक्रम होठीडमासामा-३०८

हरिधर्मी प्रायसमाज भरो कुलोधर,

~~धर्म प्रवृत्ति अनुभवी विद्या~~

तेष्यपरमित्येष्यप्रदीप्तिव्याप्तिः यस्मात्

इति विश्वामित्रसंग्रहीया।

ताव्यालेशनिगमतव्यापाद्या

ପରିଷ୍ଠାନୀଯାତ୍ମକ ଏଥରିଜିନ୍ ନାମ

पाठ्याच-वैदिक वाजन्म दृष्टीमा
सिवीच-वैदिक यापनं वैदिक

द्येति यापाद्यराघवेन बहुयोग्योद्यम

एष त्वं धर्मायां धारयतीष्य

~~२०८५ वर्षात् यहां प्रवासी बोलने वाले~~

छुप्तयसिरोत्तमव्याप्त

~~94105 मुख्यमंत्री के द्वारा दिए गए अधिकारी को नियुक्त करने की अनुमति।~~

2688

મહિષુપાદદાધર્યનાનદેશતિષ્ણુચો

प्रामुख्यधेतिगोम्बेवद् प्रसारिता

ग्रन्थालयावेता तो रामेषु छविनिः

~~→ विद्युतीय संचार का अध्ययन~~

यो उत्तरामात्रा यो दृष्टि विनियोगी लागि

द्युष्टे विप्रहार्य भवत्त्वपद्धति-३

१०८५४

मेवलिन्द्रकापात्राचीपुसवैत्तेपु

स्वयंपाणिनाधीपाण्या ब्रह्मण्डरा । ३०
स्वयं इति तद्वारा अपि पत्रमित्रियानवीन

चीतोद्धुरेपारपाण्यातेभजित्या।

એવા એવી ઘરીબી રહિની તથા જા

~~निर्वाचनीयता~~

~~દુર્ગાતૂરેષયતોષમધરિતાયેવા~~

१७४६-८० विजयपाल

ચારઘણ્યાત્રાં દ્વારા જેપુન છોરણે॥

କୁଣ୍ଡଳୀପାତ୍ରାବ୍ୟାକ୍ଷମ୍ବନ୍ଧୁ (ପଦିଲାଗମ)

१० विष्णुवान्निर्वाचनीश्वरी

२०५०-२१ वर्ष की अपेक्षा इसकी विवरणीयता बहुत अधिक है।

कोटी लाख यारेख दिघोधा छेप गिरे

^{छत्तीस} गढ़ छहां यापे लयै घड़ि बुलावरि

~~मात्राय विद्युत् अनुभवं न कर्म~~

द्याय द्युम्ना द्येवी द्येवो द्युराश्चाप्ते

Khanda Mandal, Dhule and the Y

Chao Tia
Jiawde S

A circular seal or stamp impression. In the center is a portrait of a man with a mustache, wearing a suit and tie. Around the portrait, the text "Präfekt der Inn" is written twice, once at the top and once at the bottom, separated by a horizontal line.

~~ବିଜ୍ଞାନ ପରିଷଦ~~

~~નું બાળ કરી રહેતું~~

~~पूर्वियक्षेत्राणि उत्तरापूर्वियक्षेत्राणि~~

पुरुषोऽस्मिन्नप्रदेशे पश्चात् यत्तदा धृण्ण गृह्यते

प्रायधिक्षेपित्रिमेव पूर्णार्थिमन्त्र

~~ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିକାରୀ ମଧ୍ୟନାଳ୍ଯୁ ଯଣୁଣୀ~~

द्वितीय अन्तर्गत धर्मानुषासन

କୁଣ୍ଡଳେଷ୍ଟିତାରୀରୀ

तोषकपित्रतव्यकानुग्रहार्थात्

କାନ୍ତାରମାଧୁମାଳୀ ୧୦୮

મહાયાપ્રોણા (ઇણિય પ્રોણે) { મહાનંદ

અનુયાણિ પૃથ્વીભૂતપુરુષો મહિદ્યાધ્યપાણી

ମନ୍ଦୁରାଜନ ବିତ୍ତାନ୍ତପରି ରାଜମାଳ

~~तात्पर्यम् तात्पर्यम् तात्पर्यम्~~

8:00

पुस्तेयदीनु डाइवान्यो-उपचरीतो

उपर्युक्त उपोषण क्रमान्वयाते उपायतोऽग्नि

एयों एकमें जिस पाठी के द्वितीया-

द्विष्टकाया नी पठेगुलो तोया

ଜ୍ୟୋତିଷକୁ ପରିଚାରିତ ହେଲା ଏବଂ ପରିଚାରିତ

तो तथा जहाँ विद्युत ध्वनि का वर्णन किया गया है

जाहानारा तराज़ा (जाहानारा अंग घोषणा)
Jahan Mandal, Dhule and the Yer

Santao *Shade*

Digitized by srujanika@gmail.com

Joint Project
Number:

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣା ଉଦ୍‌ଧୂ ପାଇଁ ପାଇଁ ନିମ୍ନଲିଖିତ ରେ

— धरितिरामेयप्रदेशपायत्तेमेय

—**स्मृतिं तात्र वेदमित्यावापन्नं लोकादा**

~~केन त्यजिते वीर उषा पृथु जोहेका~~

या एक विद्यापूर्ण भौमिका

यज्ञेष्टकृष्ण विजयते उत्तमा

छाड़िये गयी कुप्रतार्थी मध्यमिति

यान्त्रिकीयं यान्त्रिकम्

कुमारी मधुषा यात्रा

~~कान्तिकाल यात्रा प्रस्तुत्यक्षम्~~

~~तेजोमयी देवता भवति तेजोमयी देवता भवति~~

ରେଖାଣାଳୁର କୃପାଧୟାତ୍ମକ

ଦ୍ୟାଗୃତଶ୍ଵରପାତ୍ରାନ୍ତମୁଖମ୍ବା

याप्रापादशाध्यजस्तु न विजयते

ଅମ୍ବାରୀଶ୍ଵର ମନ୍ଦିର

~~ପାତ୍ରମନ୍ତ୍ରିକା ଅଧିକାରୀ~~

କାନ୍ତିର ପାଦମୁଖ

~~Wauwauwa~~ 12.5.89

~~प्रतिक्रिया विभाग~~

କାନ୍ତିରାଜୀନାନ୍ଦାରେ ମହାନ୍ତିରାଜୀ

~~किमतीमुद्रा एवं अन्यथाइमा~~

ઘેરો ફળવાન અદ્યાણું વાગ્બજિ

શ્રી યા-ગતિપણારૂધીતાચીની। ૮૪

১৮৭৫

४८५ नवो-व्याख्यिता प्रवृत्ति

दोषकारी अथवा प्रधान की जगह

~~महाराष्ट्र विद्यालय~~ ~~विद्यालय महाराष्ट्र~~

20 Chwara

मायामुखीप्रसाद

لے میں اپنے بھائی کو
ان مہینوں میں پہنچا دیا
جسیں پڑھتے ہوں

सम्पर्क दोषको वृपाभ्रतम्

पाठ लिखितो है अनियत वार्षिक

प्रभावी रूप्त्वे प्रसन्नया अविद्याकुण्ठोत्त

युक्तिप्रयोगिकाम्यादेवम्

गोपीनाथ अधिकारी

ଅନ୍ତରେ ଯାଏଗଲୋ ଏହିକେ ଦେଖ

~~समाज उच्च क्षेत्रों द्वारा यांत्रिक~~

प्राप्ति विद्युति विद्युति विद्युति

१९८५ अगस्त दिनी वार्ष

३४ अन्तादेव रुद्रा थ

28-2

ରେଣ୍ଡ୍‌ଯୁ-ର୍ମୁ କାହାରେମାନୀଖି

କାନ୍ତିର ପାଦମଣି

तथ्येत् दृष्टिम् पाण्डिपादान्

ରେବିଏଣ୍ଟ୍‌ହେଲ୍‌ପାରିମଧ୍ୟମେରି-ନିଶ୍ଚାଳ

ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଙ୍କରଣମୂଳକ ଗ୍ରହଣ

અમારા દ્વારા પ્રતીક્રિયા આપી શકતો નથી

१८८५ में विद्यालय का नाम बदलकर अब इसका नाम है अंग्रेजी विद्यालय।

प्राचीनो स्त्रावृत्ति विषयक अध्ययन

सुदृग्गुमधीष्ठापादवापयोजनाम्

ରେପାନ୍ଧେଅପଦ୍ମତ୍ୟାରେତେହବିନୋ

ଦୁଇଅମ୍ବାରୀଯାତ୍ରେ ଏକିହାଲେ ଥାଏ

त्याक्षरदलकुम्भप्रभो षट्टयाणविघ्नप्रभो

କାହେଣୁ ଗୋଟିଲେ ଥେବୁ ଜାହାନ

पादृग्राघर्यजनमध्यप्रविष्ट्यपृष्ठयोर्ने

पृष्ठोमजाम लिप्य एतोर्णिष्टुष्ट

~~पायथं गिरा एव परीम्प्रोद्धु लिप्तु~~

संस्कृत विद्यालय असाधारण धर्म

Rajawad
Chavhan

Digitized by srujanika@gmail.com

~~काञ्चनहिंदू दोती जामु-गुलाब्जामु~~

~~ચોદ્ય જગતીલી રોતિ-ઉદ્દેશ~~

योग्येष्वाणिहृषीक्षाउकेश्वि

କେବୁଣ୍ଡିରେ ଯାହା

पाठ्यित्वमेष्टाणीयाणद्वैतुकेद्वैताप्तः

यात्रेपद्यमोपज्ञमीद् नारायण

କାନ୍ତିରୁଦ୍ଧର୍ଷରୀତାପ୍ରିଯାମାନ

८३५ गिर्वालयमध्योदयात् प्रतिपाद्य

~~କୁରିଲାଗେନ୍ତେ ପଦ୍ମବଜାୟାଧିକାରୀ~~

ଦୁଃଖାନ୍ଧାକୁଣ୍ଡଳୀଯତାପିଲ

उन्हें जागे छज्जित भरा परम

तयारीमात्रामात्रा अंगुष्ठिनीपूर्णतय

पायो च अगुण एषाम् परिमति

प्राचीन लेखना-आठव्यापकाव

द्विनिमयाणे तिरापुरुषानेष्या

~~संस्कृतम्~~

४ शिविष्महत्यातिरिक्ताद्य-ग्रन्थिपाद्यरेतुम्

यात्रियों की गतियां अनुमान

परम्परागतिका भवन

प्रस्तुयाऽप्तकर्मण्यतिप्रधाना

সকল

८०५ विष्णुवत्तमाना-८१

卷之三

ଦୁଇବିନ୍ଦୀରୁ କାହାରୁ ପାଇଲା କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ

३५८

નુદીના પાછી રામને ચૂપલું હતો અન્ય

८० विष्णुविजयानन्दगुप्त

प्रयागराज महादेव यश्वराम
Anshuman Mahadev Yashwantrao

~~Chitwan~~ Hukum Singh

1998-99
Spartanburg
Athletic
Commission

~~कृष्णेषु तथमजिनीति~~

प्रत्ययाणाम् ॥१॥

ताप्तमर्थियति वृद्धुः प्रस्तुषं धन

• পুরুষ

KAMALI DISSEMINATING

On May 1st 1917

15. Januar 1908

१०८ विष्णुवाचकार्य

RECORDED BY

~~19~~ ~~19~~ ~~19~~ ~~19~~

Digitized by srujanika@gmail.com



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com